हरिभूमि

भिवानी-दादरी भूमि

रोहतक, सोमवार, 9 जून, 2025

11 हुडा कॉलोनी का बुरा हाल, कोई कर नहीं रहा संभाल...

12 किसान सभा ने स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रमुख...

खबर संक्षेप

प्रथम स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर 10 को

बहल। श्रीश्याम ग्लोबल मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल बहल के प्रथम स्थापना दिवस पर 10 जून मंगलवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में मुख्यातिथि एसडीएम लोहारू मनोज दलाल रक्तदाताओं को बैज लगाएंगे। कार्यक्रम में रक्तदाता मा. श्यामसुंदर विशिष्ट अतिथि रहेंगे। अस्पताल संचालक पवन पंघाल ने बताया कि शिविर में फ्रीडम ब्लड बैंक भिवानी की टीम रक्त संग्रहित करेगी। उन्होंने बताया कि 10 जून को अस्पताल की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर को लेकर युवाओं में उत्साह बना हुआ है।

नशे पर नकेल:पुलिस ने तेज किया सर्च अभियान

चरखी दादरी। दादरी में नशीले पदार्थों व नशा तस्करों की तलाश के लिए रविवार को भी सर्च अभियान चलाया। पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार ने बताया कि नशे के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। रविवार को जिले के सभी थानों व पुलिस यूनिटों में पुलिस कर्मचारियों द्वारा गांव रावलधी, चरखी, बौंद कलां, जेवली व शहर के लोहारु चौक के पास बनी झुग्गियों में रेड की। पुलिस ने सभी संदिग्धों को चिन्हित कर उनके ठिकानों का गहनता से निरीक्षण किया गया। पुलिस ने संदिग्ध दिखने वाले लोगों और आमजन से पूछताछ भी की। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य जिले को नशामुक्त करना है ताकि युवा पीढ़ी को नशे की लत से बचाया जा सके।

दिनदहाड़े युवक से 50 छीने, मामला दर्ज

बाढ़ड़ा। कस्बे के दादरी रोड पर पीएनबी के सामने से एटीएम निकालते ही उपभोक्ता से दिनदहाड़े लगभग 50 हजार रुपये छिनने का मामला सामने आया है। बाढ़ड़ा पुलिस ने पीड़ित के ब्यान पर मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। गांव तिवाला निवासी जयसिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शनिवार को बाढ़ड़ा के दादरी रोड स्थित पंजाब नsशनल बैंक के एटीएम से कुछ पैसे निकाले तथा कुछ खुद की जेब से निकालकर गिन रहा था। इसी दौरान बाइक पर आया युवक झट से रुपये छीनकर फरार हो गया। इस घटना के अचानक घटित होने से वह हैरान हो गया ओर अनुमान है कि वह पहले से ही घात लगाकर बैठा हुआ था। पीड़ित ने उस मोटरसाईकिल का नंबर भी बताया है। बाढड़ा पुलिस स्टेशन पहुंच कर सारी घटना की जानकादी दी जिस पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

मारपीट मामले में मुख्य आरोपी सहित 2 गिरफ्तार

भिवानी। थाना सदर पुलिस भिवानी ने रात के समय मकान में घुसकर महिला व उसकी पुत्रवधू के साथ मारपीट करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। कलिंगा निवासी महिला ने थाना सदर पुलिस भिवानी को शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसमें शिकायतकर्ता ने पुलिस को बतलाया कि गत तीन जून की रात को आरोपी मनीष व टोनी अन्य व्यक्तियों के साथ उनके घर में घुस गए। आरोपियों ने शिकायतकर्ता महिला व उसकी पुत्रवधू के साथ लाठी डंडों से मारपीट की वारदात को अंजाम दिया। इसी मामले में दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान टोनी निवासी राजूपाना कालिंग व मनीष कुमार निवासी कलिंगा जिला भिवानी के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने आरोपियों से वारदात वाले दिन प्रयोग की गई दो लाठी को बरामद किया गया है।

अवैध कचरा प्वाइंट पर डाला मेडिकल बायोवेस्ट, पार्षद और क्षेत्रवासी बिफरे

पार्षद संदीप यादव ने नप चेयरपर्सन व जिला प्रशासन से की शिकायत, कड़ी कार्रवाई की मांग

अवैध कचरा प्वाइंट पर मेडिकल वेस्टेज के करीब 40 पॉलीथिन हैं, जिसमें नीडल्स, सीरिंज, दवाइयों के खाली रैपर डाले गए हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रविवार को अलसुबह अज्ञात मेडिकल संचालक का करिंदा कमला भवन के पास मेडिकल बायो वेस्टेज डाल गया। कचरा करीब एक ट्रॉली के आसपास है। इस दौरान वहां से गुजर रहे लोगों ने इसकी जानकारी नगर परिषद के पार्षद संदीप यादव को दी। पार्षद संदीप यादव मौके पर पहुंचे और उन्होंने इसकी शिकायत नगर परिषद की चेयरपर्सन को दी और नप के डीएमसी को भी सूचना दी। अवैध कचरा प्वाइंट पर मेडिकल वेस्टेज के करीब 40 पॉलीथिन हैं, जिसमें नीडल्स, सीरिंज, दवाइयों के खाली रैपर डाले गए हैं, जिसमें बेसहारा पशु मुंह मारेंगे या खाकर मौत का ग्रास बन सकते हैं। वहीं सीरिंज व सुई से कूड़ा बीनने वाले बच्चे व महिलाएं को इंफैक्शन हो सकता हैं। उन्होंने मेडिकल संचालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

जानकारी के अनुसार रविवार अलसुबह अज्ञात मेडिकल संचालक का करिंदा अस्पताल से निकलने वाला बायो वेस्टेज को करीबन 40 काली पॉलीथिनों में भरकर कमला भवन के पास अवैध कचरा प्वाइंट पर फेंक गया। मेडिकल वेस्टेज से भरे करीब 40 पॉलीथिनों में मेडिकल से निकलने वाला कचरा नीडल्स, सिरिंज व दवाई के खाली पैकेट, ग्लाऊस व अन्य सामान शामिल है, जिसमें पूरी एक ट्रॉली भर सकती हैं। अवैध कचरा प्वाइंट पर डाला गया कचरा उड़कर लोगों के घरों तक पहुंच रहा है, साथ ही ये कचरा सड़क पर भी फैल रहा है, जो राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। सुबह राहगीरों ने इसकी सूचना नगर पार्षद संदीप यादव को दी। पार्षद संदीप यादव ने मौके पर पहुंचकर देखा तो पॉलीथिनों में हॉस्पिटल का बायो वेस्ट था, जिसको बेसहारा पशु खाकर मौत का ग्रास बन सकते हैं। इसके अलावा कूड़ा बीनने वाले बच्चे व महिलाएं भी इंफैक्शन का शिकार हो सकती हैं। पार्षद संदीप यादव व क्षेत्रवासियों ने इसका विरोध जताया और नगर परिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह व डीएमसी को शिकायत की। पार्षद यादव व क्षेत्रवासियों ने अज्ञात मेडिकल संचालक की जांच कर उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने लापरवाही बरतने वाले मेडिकल संचालक पर मोटा जुर्माना टोकने की मांग रखी।

भिवानी। कमला भवन के पास डाले गए बायो वेस्टेज को दिखाते पार्षद संदीप यादव।

मेडिकल बायो वेस्टेज के लिए अलग वाहन

नगर परिषद द्वारा घरों से निकलने वाले कचरे को एकत्रित करने के लिए शहर में अलग-अलग जगह के लिए अलग अलग वाहन लगाए हुए हैं। ये वाहन घरों से निकलने वाले कचरे को एकत्रित करके डंपिंग प्वाइंट पर डालते हैं। फिलहाल नगर परिषद शहर के कचरा प्वाइंटों को खत्म कर रही है, ताकि शहर को साफ व सुथरा बनाया जा सके, लेकिन मेडिकल से निकलने वाला मेडिकल बायो वेस्टेज को शहर में कही पर भी नहीं डाला जाता। इन मेडिकल बायो वेस्टेज के लिए एक अलग वाहन आते हैं और हॉस्पिटल से ही एकत्रित करके कचरा को एक निश्चित जगह पर खत्म किया जाता हैं, ताकि इस कचरे में आवारा पशु आदि मुंह न मार सके,क्योंकि बायो वेस्ट में कई तरह के साल्ट की दवाइयों के खाली रैपर, सुई व सीरिजं होते हैं, जो आमजन के लिए नुकसानदायक होते है।

मौके पर पहुंचे पार्षद और क्षेत्रवासी

लोगों की सूचना के बाद पार्षद संदीप यादव मौके पर पहुंचे और इस बारे में नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह से बात की। उन्होंने कहा कि जिस भी अस्पताल द्वारा कचरा डाला गया है, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, जिस पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने नोटिस जारी करने का भरोसा दिलाया। साथ ही पार्षद ने नप डीएमसी तथा अन्य अधिकारियों को भी सूचना दी। उन्होंने बताया कि यहां पर कचरा प्वाइंट नहीं हैं। कोई भी व्यक्ति यहां पर कचरा नहीं डाल सकता और मेडिकल बायो वेस्टेज तो किसी भी सूरत में नहीं डाला जा सकता। उन्होंने नप से उक्त जगह से कचरा उठवाकर तत्काल प्वाइंट बंद करवाने की मांग की, ताकि कोई और व्यक्ति कचरा न डालें। **कर्मचारी नियुक्त करने का दिया भरोसा:** पार्षद संदीप यादव ने इस बारे में नगर परिषद के सेंट्री इंस्पेक्टर विकास देशवाल से बात की तो उन्होंने बताया कि वे बाहर है, दो तीन दिन में आएंगे। कचरा अभी कंपनी के कर्मचारियों से कहकर उठवा देता हूं। बाद में यहां पर एक कर्मचारी नियुक्त कर दिया जाएगा, जो लोगों को यहां पर कचरा डालने से मना करेगा और उन्हें वाहन में कचरा डालने के लिए जागरूक करेगा, ताकि भविष्य में इस जगह पर कोई कचरा न डाल सकें।

पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले में छठे आरोपी को किया गिरफ्तार

- गोल्ड इन्वेस्टमेंट में रुपये लगाने के नाम पर धोखाधड़ी आरोपी से 2000 रुपये किए बरामद

भिवानी। पुलिस अधीक्षक मनबीर सिंह के द्वारा जिला पुलिस को जिले में आम जनता से इन्वेस्टमेंट के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर ऐसे आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्यवाही अमल में लाए जाने के निर्देश दिए हुए हैं, इन्हीं निर्देशों के तहत कार्यवाही करते हुए थाना साईबर क्राइम पुलिस ने गोल्ड इन्वेस्टमेंट के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में छठे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। सज्जन निवासी भिवानी ने थाना साइबर क्राइम पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसमें शिकायतकर्ता ने पुलिस को बतलाया कि दिसंबर 2024 में उनकी फेसबुक आईडी पर एक फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी, जिसके बाद शिकायतकर्ता को एक महिला के द्वारा टेलीग्राम आईडी पर ज्वाइन कराया गया था।

आरोपित को भेजा जेल

टेलीग्राम आईडी पर ज्वाइन होने के बाद आरोपित महिला ने गोल्ड इन्वेस्टमेंट में रुपये लगाने के लिए लिंक भेजा था, जो लिंक को फॉलो करके आईडी बनाकर उस पर कुल 1,53,000 रुपये भेजे गए थे, लेकिन शिकायतकर्ता ने जब अपनी राशि वापस निकालना चाहा तो अकाउंट से रुपये वापस नहीं निकल रहे थे। इस शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अभियोग थाना साइबर क्राइम भिवानी में दर्ज किया। गत छह जून को अभियोग में प्रभावी कार्यवाही कर थाना साइबर क्राइम भिवानी के सहायक उपनिरीक्षक विजय कुमार ने गोल्ड इन्वेस्टमेंट के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में छठे आरोपी को जयपुर से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए आरोपी की पहचान देवेंद्र पुत्र सत्यनारायण निवासी रामबगीची का मोहल्ला जमवा रामगढ़ जयपुर के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने आरोपी से 2000 रुपये बरामद किए गए हैं। आरोपी देवेंद्र धोखाधड़ी के आए पैसों को कैश करवाने का काम किया करता था। आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां न्यायालय ने आरोपी को जिला कारागार भेजने का आदेश दिए हैं।

सैनी कल्याण परिषद के शिविर में 20 लोगों ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल के विशेष आग्रह पर सैनी कल्याण परिषद ने रविवार को नागरिक अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में बतौर मुख्यतिथि सीएमओ डॉ. रघुबीर शांडिल्य व विशिष्ट अतिथि के तौर पर ब्लड बैंक प्रभारी मोनिका सांगवान व दीवानचंद पहुंचे। शिविर की अध्यक्षता परिषद के रक्त प्रभारी ओमप्रकाश सैनी ने की।

शिविर में बी-पॉजिटीव ब्लड गुरप के 20 युवाओं ने रक्तदान किया, जिन्हें अतिथियों ने बैज लगाकर व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। ओमप्रकाश सैनी ने कहा कि रक्तदान एक ऐसा महान कार्य है, जिसके माध्यम से हम ना केवल दूसरों का जीवन बचा सकते है, बल्कि रक्तदाता स्वयं भी ह्दृय सहित विभिन्न बीमारियों से बच सकता है। सैनी ने कहा कि समिति ना केवल रक्तदान, बल्कि अंगदान व शरीरदार करवाकर जनसेवा में अपनी भूमिका निभा रही है तथा अब तक 10 व्यक्तियों के नेत्रदान करवाए जा चुके है। इस मौके पर परिषद के प्रधान भूप सिंह सैनी ने कहा कि परिषद इन कार्यों के अलावा समाज में नशा मुक्त अभियान भी चलाएगी, जिसमें युवाओं की विशेष भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी तथा शिक्षा के लिए भी जागरूक करेगी। इस अवसर पर आजाद सैनी, सुरेश चंद सैनी, बलवंत सैनी, राधेश्याम ठेकेदार, हवा सिंह सैनी, दीपक एडवोकेट, चीनू सैनी, अभिषेक सैनी,रविकांत, चंद्रशेख्रर, नरेंद्र, बिल्लू, बिजेंद्र आदि मौजूद रहे।

भिवानी। रक्तदाताओं को सम्मानित करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

निगाना में नहर में डूबने से 18 वर्षीय युवक की मौत, रह रहा था बुआ के घर

तोशाम। दुल्हेड़ी साइफन के पास निगाना नहर में फतेहावाद के ढाणी ईश्वर निवासी 18 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई। इसकी सूचना डायल 112 पर दी गई। सूचना के बाद डायल 112 मौके पर पहुंची। करीबत 2 घन्टे बाद साथ नहा रहे युवकों ने उसे मृत अवस्था मे निकाला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

साथियों ने करीब दो घंटे बाद निकाला

फतेहावाद के ढाणी ईश्वर निवासी 18 वर्षीय प्रिंस, जो झांवरी में पिछले करीबन छह माह से अपनी बुआ के घर रहता था। वह मजदूरी का काम करता था। रविवार को वह गांव के तीन अन्य युवकों के साथ नहाने के लिए गया था। निगाना फिडर में अपने साथियों सहित नहा रहे था। नहर में नहाते समय प्रिंस ज्यादा गहराई होने के कारण डूब गया। इसकी सूचना डायल 112 पर दी गई। सूचना के बाद डायल 112 मौके पर पहुंची। क़रीबन 2 घन्टे बाद साथ नहा रहे युवकों ने उसे मृत अवस्था मे निकाला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक प्रिंस का एक छोटा भाई है। इस बारे में थाना प्रभारी महाबीर सिंह ने बताया कि युवक की डूबने से मौत हो गई। मृतक के परिजनों की शिकायत पर इत्तफाकिया कार्रवाई की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिवानी अस्पताल में भेज दिया है।

अवैध हथियारों सहित तीन युवक पकड़े, दो अवैध पिस्तौल बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

दादरी सीआईए टीम ने तीन युवकों को अवैध पिस्तौल सहित गिरफ्तार किया है। युवकों से दो पिस्तौल और 4 कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार ने बताया कि शनिवार को सीआईए टीम को सूचना मिली कि तीन युवक अवैध पिस्तौल सहित अप्रोच मार्गों से दादरी की तरफ आ रहे हैं। जो गांव घसौला से दादरी महेंद्रगढ़ रोड पर पहुंचने वाले हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस ने महेंद्रगढ़ रोड पर घसौला गांव की तरफ जाने वाले रास्ते में नाकाबंदी कर दी। कुछ देर बाद एक बाइक पर सवार तीन युवक पहुंचे जो पुलिस गाड़ी की देखकर भागने लगे, लेकिन मुस्तैद पुलिस तीन ने उसको काबू कर लिया। तीनों की तलाशी ली गई तो दो देशी पिस्तौल और चार कारतूस मिले। आरोपियों की पहचान महेंद्रगढ़ के गांव भोजावास निवासी अंकुर उर्फ बौना, नितिन उर्फ छोटू व भिवानी जिले के गांव बडेसरा निवासी नमन उर्फ भान्जा के रूप में हुई। पुलिस ने तीनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कोर्ट में पेश किया, जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

कैबिनेट मंत्री ने प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया

परंपरागत खेती छोड़ नई तकनीक अपनाएं किसान : रणबीर गंगवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि घटती जोत एवं बदलते मौसम के अनुरूप किसानों को पारंपरिक खेती की जगह अधिक से अधिक नई तकनीकी व वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने की जरूरत है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे परंपरागत खेती को छोड़कर खेती की नवीनतम तकनीक को अपनाएं और अपनी आमदनी बढ़ाएं। पौधों से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है और पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण जरूरी है।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री रविवार को गांव मंढाण में ऑर्गेनिक हरियाली नर्सरी के उदघाटन कार्यक्रम के उपरांत उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। कैबिनेट मंत्री ने विभिन्न प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. अशोक बिरथल ने अतिथियों का स्वागत किया। बिरथल ने पगड़ी पहनाकर कैबिनेट मंत्री को सम्मानित किया। गंगवा ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार किसानों के हितों के प्रति वचनबद्ध है। केंद्र सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं, वहीं प्रदेश में अधिकतर फसलें एमएसपी के भाव पर खरीदी जा रही हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि खेती में नई तकनीकों को अपनाएं, ताकि प्रदेश के किसान भी उद्यमी बनने की ओर अग्रसर हों और उनकी आय में वृद्धि हो। इसके लिए राज्य सरकार न केवल निःशुल्क ट्रेनिंग देती है, बल्कि किसानों को अत्याधुनिक खेती अपनाने के लिए सब्सिडी पर कृषि यंत्र, पोली हाऊस, नैट हाऊस व अन्य तकनीकों की सहायता भी दे रही है। गंगवा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसान, गरीब, मजदूर आदि प्रत्येक वर्ग के हित में अनेक योजनाएं बनाकर सीधा लाभ पहुंचाने का काम किया है। ऑर्गेनिक हरियाली नर्सरी का रिबन काटकर उदघाटन करने उपरांत उन्होंने नर्सरी का मुआयना किया और पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कैबिनेट मंत्री सहित सभी अतिथियों को पौधा एवं शॉल भेंटकर सम्मानित किया। इस मौके पर सीनियर डिप्टी अकाउंट जनरल शीशराम वर्मा, पूर्व आईएएस आरएस वर्मा, एसडीएम डॉ. अशवीर नैन, बागवानी विभाग से उप-निदेशक डॉ. आत्मप्रकाश, पशुपालन विभाग के पूर्व एमडी डॉ श्री किशन बागोरिया, समाजसेवी चन्द्राराम गुरी, समाजसेवी कृष्ण वर्मा ने भी अपने विचार रखे। आकाशवाणी केंद्र हिसार से आजाद दूहन ने हरियाणवी संस्कृति से जुड़े चुटकलों से लोगों का खूब मनोरंजन किया। इस अवसर पर हिसार से डीएफओ डॉ रोहताश, अमित लोहिया, मास्टर रणबीर, महाबीर, सरपंच पवन छपारिया, सहदेव वर्मा, रोहताश दहिया, विजेंद्र कस्वां, बलवंत सिंह, रामफल वर्मा, मुकेश डालमिया, मुरारीलाल वर्मा आदि उपस्थित रहे।

भिवानी। किसानों को सम्मानित करते जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री रणबीर गंगवा। फोटो : हरिभूमि

GANGA INSTITUTE OF TECHNOLOGY AND MANAGEMENT
AN AUTONOMOUS INSTITUTE
JHAJJAR (DELHI-NCR)
NAAC A GRADE
What makes GITAM the First Choice
NAAC 'A' GRADE INSTITUTE
NBA ACCREDITED PROGRAMMES B.TECH ECE, ME & MBA
STRONG ALUMNI NETWORK
AN AUTONOMOUS INSTITUTE
Industry Oriented Curriculum
Degree Conferred by MDU, Rohtak
Advance Certification Programmes
Rankings TIMES ENGINEERING
GITAM is among the BEST ENGINEERING INSTITUTES OF THE COUNTRY !
RANKED #19 In North India
RANKED #39 Pvt. Institutes in India
RANKED #41 Across India
RANKED #62 Placement Across India
Times Engineering Institute Ranking Survey-2025
MEGA JOB FAIR-2025
28/06/2025 | 9:30 am onwards
Register at: www.gangainstitute.com
Admission Helpline
ADMISSIONS OPEN 2025-26
B.TECH | B.TECH (LEET)
CSE, CSE (DATA SC.), CSE (AI & ML)
ECE, MECHANICAL, ELECTRICAL, CIVIL
FIRE TECHNOLOGY AND SAFETY
M. TECH | MBA | BBA | MCA | BCA
B. ARCH | M. ARCH | M.ED | B.ED
FOR WORKING PROFESSIONALS
B.TECH (FIRE TECH. & SAFETY, CSE), M.TECH (CSE), MBA
GANGA INSTITUTE OF ARCHITECTURE & TOWN PLANNING (GIATP)
9654292905 / 9015115120 | www.architectureganga.com
GANGA INSTITUTE OF EDUCATION (GIE)
8684000916 | www.gangainstituteofeducation.com
GANGA GROUP OF INSTITUTIONS
Approved by AICTE/UGC/NCTE/COA/MDU
8684000891 / 892 / 893 / 906 / 9654292946
www.gangainstitute.com
Head Office: 4/12, East Punjabi Bagh, New Delhi +91-9654292902, 03, 04

साहित्य

कभी फूलों की तरह मत जीना,
जिस दिन खिलोगे बिखर जाओगे
जीना है तो पत्थर की तरह जियो,
किसी दिन तराशे गए तो खुदा बन जाओगे।
- हरिवंश राय बच्चन

शनिवार के दिन सुबह-सुबह औरतें पीपल के पेड़ पर मिठाई और चंद सिक्के शनिदेव को खुश करने के लिए चढ़ा जाती थी। शनिवार को स्कूल की छुट्टी भी बहुत जल्दी होती थी। मैं जल्दी ही छुट्टी से भी जल्दी भागती हुई घर की तरफ़ आती और वहां रखी मिठाई और सिक्के उठा लेती। मिठाई पेट के हवाले और सिक्के स्कूल बैग की जेब के हवाले कर देती थी।

मैं कभी अपने घर की गली और कभी सामने मंदिर के बराबर की तंग गली देखकर थक चुकी हूं। शायद मुझे किसी ने नहीं पहचाना इसलिए तो कोई बोला नहीं। मैं वापस जाने के लिए रिक्शा बुलाने ही वाली थी कि ट्रेन की सीटी और छुकछुक की आवाज सुनाई दी। मेरे कदम मंदिर के उस तरफ वाली चौड़ी सड़क की तरफ दौड़ पड़े, जहां से चंद क्षणों के फासले पर मैं रेल की पटरी के पास पहुंच जाऊंगी। पहले मैं यहां ट्रेन आने से पहले नकली खेलने वाले नोट रखकर इंतजार करती थी कि कब इन पर से ट्रेन गुज़रे और कब ये असली हो जायें। आज मन कर रहा था कि क्यों ना बैग के सारे नोट निकाल कर ट्रेन की पटरी पर रख दूं,ताकि ये नकली ही हो जायें, और मेरे वो लम्हें मेरे वो दोस्त, मेरी वो गलियां, मेरा वो पीपल मुझे वापस मिल जाए।

कहानी

ललिता विम्मी

वो मेरी गलियां

बहुत दिनों बाद, आज अपने शहर, अपनी गली, अपने घर की तरफ़ जाना हुआ था। हालांकि मेरा कुछ नहीं बचा था वहां, बहुत पहले ही सब के ठिकाने बदल गए थे। चिलचिलाती धूप, गर्म लूं के थपेड़े, सिर पर ओढ़े हुए सूती दुपट्टे को एक बार फिर और खोल कर लपेट लिया था मैंने।

वही गली थी, बस अब पक्की बन गई थी। बड़ी सी मुख्य सड़क के सामने मेरे घर की भीड़ी सी गली। मुख्य सड़क पर एक ओर मंदिर था, मंदिर के बाहर एक विशाल पीपल का पेड़ हुआ करता था। पीपल के पेड़ के बराबर में एक तंग सी गली, और गली के बराबर में ही सीधे हाथ पर एक दुकान जहां टाफियाँ, पीले रंग के नमकीन रोल, जो फूंक मारने से ही उड़ जाते थे। मीठी और तरह तरह के रंगों की रंगीन सी गोलियां बहुत मज़ा आता था उन्हें खाने में। कभी अलग-अलग रंग लेती, तो कभी एक जैसा रंग। दुकान वाला चाचा, जो कि सबका चाचा था, बहुत डांटता था, रंग खाने हैं या गोलियाँ'?

पीपल के पेड़ के बायें हाथ को भी एक छोटी सी हलवाई की दुकान थी जहां दूध, मिठाइयां और प्रसाद मिलता था।

शनिवार को सुबह-सुबह औरतें पीपल के पेड़ पर मिठाई और चंद सिक्के शनिदेव को खुश करने के लिए चढ़ा जाती थी। शनिवार को स्कूल की छुट्टी भी बहुत जल्दी होती थी। मैं जल्दी ही छुट्टी से भी जल्दी भागती हुई घर की तरफ़ आती और वहां रखी मिठाई और सिक्के उठा लेती। मिठाई पेट के हवाले और सिक्के स्कूल बैग की जेब के हवाले। मेरा एक सहपाठी नवीन जो कि मेरे साथ ही स्कूल जाया करता था। शायद मुझे ये सब करते देख चुका था। मेरे घर शिकायत करने की उसमें हिम्मत नहीं थी, क्यों कि उस समय मैं अपने ग्रुप की सरदार थी और नवीन जैसे बहुत से बच्चे, जिन्हें दूसरे बच्चों से झगड़ने से डर लगता था। वे सरदार की शरण में रहते थे। शनिदेव के उन सिक्कों से मेरा व्यापार भी चलता था। बहुत बच्चों को मैंने उधार दे रखा था। वापसी तो किसी से भी नहीं हुई थी पर पैसों के चलते मेरा अलग ही रौब था।

एक दिन हमारे स्कूल के बाहर एक अलग तरह की कुल्फी प्लेट में बिक रही थी, उसमें लच्छे भी थे। मुझे उस कुल्फी की बहुत इच्छा हुई, मेरी उस समय की भाषा में मुझे बस कुल्फी की भूख लगी थी। मैंने अपने सारे देनदारों से पैसे वापस मांगे, और वो भी धमका कर।

आधी छुट्टी पूरी होने तक मुश्किल से पैसे इकट्ठे हुए, मैंने कक्षा में ना जाकर कुल्फी वाले के पास खड़े होकर कुल्फी खाई।

मेरे पीछे मुझ से प्रताड़ित बच्चों ने मीटिंग करके आते ही मुझे टीचर से प्रताड़ित करवाया। मैं बहुत ही दुखी धीमे-धीमे कदमों से घर पहुंची ही थी कि घर पर भी एमरजेंसी अदालत लगी हुई थी। मुझे स्कूल में पिटता देखकर शायद नवीन के भी पर निकल आये थे। उसने मेरे घर में मेरी मां को सब बता दिया था ।

मां बेचारी बहुत परेशान थी, उन्हें ये चिंता थी कि शनिदेव के पैसे उठाकर जो भूल लड़की ने की है, शनिदेव से कैसे क्षमा याचना करवाई जाये।

बड़े ताऊजी और बड़ी मां को ये चिंता थी कि लड़की की जात और बदमाशी लड़कों से भी बढ़कर, यही संस्कार है तो आगे क्या करेगी? पापा को ये चिंता थी कि पीपल के पेड़ पर से कुत्ते भी चीजें खाते रहते हैं। इतनी गंदगी, इतनी मक्खियां, बच्ची को कोई बीमारी लग गई तो? मां को भी डांट रहे थे, तुम उसे उसकी पसंद का नहीं खाने देती ना, इसलिए तो उसने ये भिखारियों से भी बदतर हरकत की।

मेरे गली के दूसरे बच्चे जो मेरे शैक्षणिक स्तर से हमेशा जलते थे, बड़े खुश थे कि आज आयेगा मजा मैडम बुद्धि माता को डंडे पड़ेंगे जब।

मैं बेचारी अकेली इतने लोगों की भीड़, सब के तेज तलवार से प्रश्न, ऊपर से गर्मी, मां ने तो आते ही दो जड़ दिए, बड़ी मां जैसे और जड़वाने के चक्कर में थी।

'ना छोटी, अभी मत मारो, पहले सारी बात पता कर, क्या पता और भी कहां-कहां से पैसे चुराये हों'। उस दिन की पिटाई से मैं शरीफ़ बच्ची बन गई थी। पीपल के पेड़ पर रखी मिठाई फिर भी मुझे ललचाती थी, पर मैं मुंह फेर के निकल जाती थी। मैंने दादागिरी भी छोड़ दी और नवीन से भी दोस्ती खत्म कर ली थी।

अब मेरी दोस्ती गली के कुत्तों और सांडों तथा गायों से हो गई थी। स्कूल से आने के बाद मैं इन्हीं के साथ खेलती, इन्हीं के साथ भागती। इनके ऊपर रंग से कभी अपना नाम लिखती तो कभी इनका नाम जो मैंने ही रखा था। मेरे एक आवाज लगाते ही मेरे ये दोस्त तुरंत मेरे पास आ जाते थे। गौरी, कजरा, मेरी गाय थी। शेरू छुट्कु,कालु और भौंभौं, ये कुत्ते थे। विनायक छोटा बछड़ा था और बब्बर बड़ा और मोटा ताजा सांड था।

डाकौत पंडित की घरवाली अब सुबह शाम पीपल की सफाई करने आती थी। पर सिर्फ शनिवार को।

तंग गलियां धीरे-धीरे और तंग हो गई हैं, क्योंकि लोगों के घर की दहलीजें गलियों तक आ गई हैं। कमरों के ऊपर कमरे बनाकर लोगों ने आसमानी हवा को भी घेर लिया है। आजकल शनिदेव यहां मिठाई खाने भी नहीं आते क्योंकि, पीपल काट कर कई दुकानें बना दी गई हैं, जिनमें एक तो ब्रांडेड मिठाई की भी दुकान है।

मंदिर के ऊपर भी दो मंजिल बन गई हैं, जो शादी-ब्याह में बैंक्वेट हाल का काम करती हैं। तपती चिलचिलाती धूप में कोई शख्स बाहर ही नहीं था तो अपने या अनजान की पहचान कैसे करती। बार-बार गली में झांक रही थी। लग रहा था कि कोई अपना सा अहसास गर्म लूं के साथ आ रहा था। सामने पलट कर दुकानों की चमचमाती भीड़ में से अपनी मीठी गोलियों वाली दुकान तलाशने की कोशिश की, पर जैसे कोई नहीं थी वहां। तुक्के से गली के कोने वाली दुकान पर जाकर मीठी रंग-बिरंगी गोलियां मांगी तो हैरान से दुकानदार ने ब्रांडेड टाफियों का जार मेरी तरफ सरका दिया था।

मैम, शायद आपको ये चाहिए? निरूतर सी मैं एक ठंडी लैमन की बोतल खरीद कर बैग के हवाले करती हूं। मुझे लगभग बीस मिनट हो गए हैं, छुटकु कालू,भौंभौं, शेरू कोई भी नहीं दिखा। गौरी और कजरी तो पीपल के पेड़ के नीचे बैठी रहती थी, पर अब तो वो पीपल भी नहीं था। बब्बर तो धूप में भी ढां-ढां करता घूमता था। वो भी नजर नहीं आया कहां चले गए सब।

मैं कभी अपने घर की गली और कभी सामने मंदिर के बराबर की तंग गली देखकर थक चुकी हूं। शायद मुझे किसी ने नहीं पहचाना । इसलिए तो कोई बोला नहीं।

मैं वापस जाने के लिए रिक्शा बुलाने ही वाली थी कि ट्रेन की सीटी और छुकछुक की आवाज सुनाई दी। मेरे कदम मंदिर के उस तरफ वाली चौड़ी सड़क की तरफ दौड़ पड़े, जहां से चंद क्षणों के फासले पर मैं रेल की पटरी के पास पहुंच जाऊंगी। पहले मैं यहां ट्रेन आने से पहले नकली खेलने वाले नोट रखकर इंतजार करती थी कि कब इन पर से ट्रेन गुज़रे और कब ये असली हो जायें। आज मन कर रहा था कि क्यों ना बैग के सारे नोट निकाल कर ट्रेन की पटरी पर रख दूं,ताकि ये नकली ही हो जायें, और मेरे वो लम्हें मेरे वो दोस्त, मेरी वो गलियां, मेरा वो पीपल मुझे वापस मिल जाए।

मैं पटरी के पास पहुंच तो गई पर ट्रेन दनदनाती हुई निकल चुकी थी।

कविता | **कृष्ण गोपाल विद्यार्थी**

मेरे मन की बात

आदमी में इस कदर विष भर गया है।
विषधरों का वंश सारा डर गया है।
कल सुनोगे आदमी के काटने से,
रास्ते में सांप कोई मर गया है।

दुनिया में जिधर देखो नजर आते हैं पत्थर श।
उठ-उठ के एक-दूजे से टकराते हैं पत्थर।
है ख्वाब तो हसीन कि मंदिर में सजेंगे ,
छेनी की चोट से मगर घबराते हैं पत्थर।

चेहरों पर मुस्कान नहीं है, दिल में हिन्दुस्तान नहीं है।
कहने को तो फूल हैं लेकिन खुशबू से पहचान नहीं है। जब-से कट्टरपंथी डायन आन बसी है इस बस्ती में,सब हिन्दू या मुसलमान हैं, कोई भी इन्सान नहीं है।

हवाओं को तो बेशक खल रहा हूँ।
चिरागों की तरह मैं जल रहा हूँ।
जिन्होंने राह में कांटे बिछाए,
उन्हें भी साथ लेकर चल रहा हूँ।

कविता | **राज़ ख्यालिया**

लहू में डूबी वादियां

लहू में भीगी हर गली, है सरजमीं कश्मीर की,
सिसकती हैं दरख़्त भी, गवाही दें तहरीर की।

न पूछो कैसी आग है, बहारों की ज़मीं पे अब,
हर एक शाख़ पे दिखे है, परछाईं तासीर की।

बग़ावतें न थीं वहाँ, न कोई जुर्म, न इल्तिजा,
मगर भीड़ ने छीन ली, सदा किसी ज़मीर की।

कभी जो गूंजती थी वहाँ, अज़ान, दुआ, मोहब्बतें,
वहाँ अब गूँजती है सदा, किसी शहीद तीर की।

वो माँएँ पूछती हैं अब, कहाँ है मेरा लाल कहो,
नदी भी चुप है आजकल, कहानी एक नीर की।

गीत | **प्रीति पाठक 'प्रीति'**

नाथ कुंवारी हूं

तू ग़ज़लों का शहज़ादा तो मैं भी राजकुमारी हूँ
तेरे शब्दों के संग ब्याही वरना नाथ कुँवारी हूँ

तुझ पर जीवन साथी मैने अपना सब कुछ वार दिया
तेरी ख़ातिर हीं तो मैंने गीतों का शृंगार किया
तू मेरी अभिलाषा है और तुझ पर मैं बलिहारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना नाथ कुँवारी हूँ

मेरी ग़ज़ल ख़्यालों के तुम हो गीतों के शान्त स्वर
जैसे साँझ ढले तारों से बिछा हुआ प्यारा अम्बर
तुम गीतों के पुष्प-सुमन तो मैं उसकी फुलवारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना सजन कुँवारी हूँ

तुझसे होती सुबह शुरू तो तुझसे ही है शाम पिया
तू है जो सँग मेरे तो दुःख भी सुख का नाम पिया
मेरे जीवन का कंचन तू तुझपर सब कुछ हारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना प्रिय कुँवारी हूँ

पाकर तेरा साथ मैंने पाया जीवन का सार है
तुमसे से ही जीवन मे आई ख़ुशियाँ बेशुमार है
तू मेरी खुशियों की चाभी मैं उसकी किलकारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना नाथ कुँवारी हूँ।

लघुकथा | **डॉ. अंजना गर्ग**

पार्क में भंडारा

अनु यह बड़े-बड़े लिफाफे उठाकर कहां जा रही है?' सुनीता ने अनु के हाथ में कई लिफाफे देख कर पूछा।

' पार्क में कुछ लोगों के द्वारा रोज भंडारा लगाया जाता है। वहीं पर जा रही हूं।' '

तो इनमे प्रसाद लेकर आएगी।' सुनीता ने लिफाफो को लगभग घूरते हुए सी पूछा।'

नहीं प्रसाद का तो एक कण लेती हूं हाथ पर ही।'

' तो इनका क्या करेगी?'

' लोग खा खा कर इधर-उधर प्लेट्स डाल देते हैं। उड़-उड़ कर लोगों के घरों के दरवाजो तक आ जाती है। पार्क इतना गंदा हो जाता है कि लोग सैर नहीं कर पाते। बच्चे खेल नहीं पाते। कुत्ते प्लेट्स को चाटने आ जाते हैं। फिर तुम्हें पता है यहां तो बंदर भी अपना कोहराम मचाते हैं।'

' तो स्वीपर किस लिए है ? कर देगा सारी साफ सफाई। यह उनका ही काम है।' सुनीता ने मुंह बना कर कहा।

' वो सुबह एक बार सफाई कर जाता है। सारा दिन तो नहीं करेगा।'

' तो तू इन लिफाफों का क्या करने जा रही है?

' बस कुछ खास नहीं। भंडारा समाप्त होने पर सारी प्लेट्स उठा उठा कर इनमें भर लेती हूं। पास में ही डंपिंग ग्राउंड है वहां डाल आती हूं।' अनु ने मुस्कुराते हुए कहा।

' तेरे घर में सफाई करने मेड आती है और तू वहां सफाई करने जा रही है।'

' यही तो सुनीता हमारी सोच है कि गरीब का काम है सफाई करना। अमीर का काम है दान पुण्य करना।' अनु ने उस की ओर देखते हुए कहा।' हां तो ठीक है ना, जिसके पास पैसा नहीं वह सफाई कर दे।' सुनीता ने हाथ मटकते हुए कहा।' और हम पैसे वाले गंद डालकर, घर आकर बैठ जाए।' ' आखिर क्या कहना चाहती हो तुम अनु- ---'

' यही कि दान पुण्य से ज्यादा जरूरी है इस धरा की साफ सफाई जिसको हम सब धरती मां तो कहते हैं पर इसको हम इतना प्रदूषित कर रहे हैं कि पृथ्वी के कणों की सांस भी रुक गई।' ' पर तेरे अकेले के करने से क्या होगा? सुनीता ने अनु की तरफ लापरवाही से प्रश्न उछाला।' यूंही कारवां बनता है।' कहती हुई अनु पार्क की ओर बढ़ चली। अनु के शब्दों में पता नहीं क्या जादू था कि सुनीता भी पीछे-पीछे हो ली ।

आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को लेकर कवयित्री एवं लेखिका अनामिका वालिया का कहना है कि आज भी साहित्यिक लेखन प्रगति पर है और नई युवा पीढ़ी भी साहित्य क्षेत्र में बेहतर लेखन कर रही है, जिससे कहा जा सकता है कि साहित्य बेहतर स्थिति में है। हालांकि सोशल मीडिया के माध्यम से साहित्य लेखन ज्यादा बढ़ा है। इससे भी युवा पीढ़ी साहित्य के प्रति आकर्षित हो रही है।

साक्षात्कार | **ओ.पी. पाल**

समाज को नई दिशा देता है साहित्य : अनामिका वालिया

हिन्दी साहित्य के संवर्धन के लिए लेखक अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे हैं। ऐसे ही साहित्यकारों में कवयित्री अनामिका वालिया भी सामाजिक सरोकारों के मुद्दों पर अपने रचना संसार को आगे बढ़ा रही हैं। देशभक्ति और समाज में महिलाओं के मुद्दे पर भी कविताओं का लेखन और मंच से समाज को सकारात्मक संदेश देते हुए उन्होंने परिवार से मिली विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है।

शिक्षाविद्, लेखिका एवं कवयित्री अनामिका वालिया शर्मा ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से बातचीत करते हुए कुछ ऐसे पहलुओं का भी जिक्र किया है, जिसमें उनका मत है कि साहित्य के बिना समाज की कल्पना करना बेमानी है, क्योंकि साहित्य समाज का दर्पण होता है। महिला साहित्यकार अनामिका वालिया का जन्म 19 मई 1989 को जिला कैथल में देशबंधु वालिया और दमयंती वालिया के घर में हुआ। उनके नाना स्वर्गीय रमेश चंद्र ने आज़ाद हिंद फौज के सेनानी के रूप में और उसके बाद सेना में भर्ती होकर देश की सेवा की। इसलिए देशभक्ति और देश प्रेम भी विरासत में मिला। जबकि मामा स्वर्गीय अमरजीत अहलूवालिया कविता लेखन किया करते थे, तो उन्हें साहित्यिक माहौल मिलने के कारण बचपन में कविता लेखन में रुचि पैदा हुई। शायद यही कारण है कि उन्होंने 13-14 वर्ष की आयु से कविता लेखन शुरू कर दिया था। पहली कविता साहित्य सभा कैथल के मंच से चौदह वर्ष की आयु में पढ़ी जहां वह अपने पिता के साथ कार्यक्रम में पहुंची थी। इतनी कम उम्र में कविता लिखने और उसके पाठन पर सभी हैरान रहे।

अनामिका की प्रारंभिक शिक्षा कैथल और उच्च शिक्षा अंबाला शहर से पूरी हुई। अंबाला के एमडीएसडी कॉलेज से स्नातक की शिक्षा ग्रहण करने के दौरान ग्रेजुएशन की परीक्षा में पूरे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में द्वितीय व अंबाला ज़िले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके लिए उन्हें तत्कालीन केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा के द्वारा गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया था। भाषण प्रतियोगिता में नेशनल यूथ फेस्टिवल में पूरे उत्तर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया, जिसके लिए हरियाणा सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। साल 2014 से शिक्षा विभाग हरियाणा में अंग्रेजी लेक्चरर के तौर पर अपनी सेवाएं देना प्रारंभ किया। एक शिक्षिका के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर आधारित विभिन्न नाटकों का लेखन एवं निर्देशन भी किया, जो राज्य स्तर पर प्रथम स्थान के लिए शिक्षा विभाग की ओर से उन्हें सम्मानित किया गया। साल 2018 में हरियाणा के यमुनानगर ज़िले में इनका विवाह हुआ। परिवार और दो जुड़वां बेटियों के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए साहित्यिक सफर को आगे बढ़ाना आसान नहीं था, लेकिन परिवार के सहयोग और साहित्य के प्रति अपने समर्पण से अपने इस सफर को निरंतर जारी रखा। वर्तमान में अपने परिवार के साथ यमुना नगर में रहकर अध्यापन और साहित्य सेवा कर रही हैं। उनकी साहित्यिक गतिविधियों को परिवार के लोगों का प्रोत्साहन भी अहम रहा है। उन्होंने अपनी कविताओं के लेखन में देश, समाज और महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर फोकस किया है। वहीं उन्होंने सैनिकों के शौर्य का जयगान तो कभी राजनीति पर व्यंग्यात्मक कविताओं को भी साहित्य मंच पर उतारा है। उनकी एक प्रसिद्ध रचना 'बेटियां मैदान में उतार दूं' स्कूल कॉलेज की बच्चियों को इतनी पसंद आई कि विभिन्न प्रतियोगियों में उन्होंने इसे प्रस्तुत किया और पुरस्कार प्राप्त किए। उच्च शिक्षा ग्रहण करने के बाद उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में होने वाले कवि सम्मेलनों में काव्यपाठ करना प्रारंभ किया और देश के अनेक प्रतिष्ठित न्यूज चैनलों पर काव्यपाठ किया है। इनका कहना है कि साहित्य जगत में एक बात आहत करने वाली है, कि साहित्यिक मंचों पर कविताओं के नाम पर चुटकले और अश्लीलता परोसी जा रही है, जिस पर अंकुश लगाना जरुरी है। साहित्य को समाज का दर्पण कहा गया है, इसलिए साहित्यकारों और लेखकों को युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति के प्रति प्रेरित करने वाला साहित्य सृजन करने की जरुरत है, ताकि समाज को सकारात्मक संदेश दिया जा सके। मसलन विशुद्ध साहित्य की रचना बेहद जरूरी है।

प्रकाशित पुस्तकें

महिला कवयित्री एवं शिक्षका अनामिका वालिया ने अल्प आयु में ही कविताओं का लेखन शुरू कर दिया था और वीर रस की कविताओं के संकलन के रूप में 2014 में इनकी पहली काव्य पुस्तक 'एक और इंकलाब' पाठकों के सामने आई। उनकी इस प्रकाशित पुस्तक में देश प्रेम और महिला सशक्तिकरण से संबंधित कविताओं को समायोजित किया गया है। इसके अलावा उनकी रचनाएं विभिन्न समाचार पत्र व पत्रिकाओं में भी प्रकाशित होती रही हैं।

अनामिका वालिया

पुरस्कार व सम्मान

अनामिका वालिया को हरियाणा सरकार गोल्ड मेडल से सम्मानित कर चुकी है। साहित्य क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें नारायणी फाउंडेशन के रूपा राजपूत सम्मान, रोटरी क्लब के ऑनरेरी मेंबर सम्मान मिला है। भारत विकास परिषद अंबाला शहर और पंचनद शोध संस्थान यमुना नगर द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें देश व विभिन्न राज्यों की साहित्यिक एवं प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा काव्य मंचों से अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : अनामिका वालिया
जन्मतिथि : 19 मई 1989
जन्म स्थान : कैथल, (हरियाणा)
शिक्षा : एम.ए. (अंग्रेजी)
संप्रति : लेक्चरार (शिक्षा विभाग हरियाणा), लेखक एवं कवियत्री

बच्चों में समाज सेवा के रंग भरता 'नाचू के रंग'

पुस्तक : नाचू के रंग
लेखक : गोविंद शर्मा
मूल्य : 150 रुपये
प्रकाशक : पंचशील प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा | **शशि कांत चौहान**

वरिष्ठ साहित्यकार गोविंद शर्मा 1971 से निरंतर बाल साहित्य की रचना करते आ रहे हैं। बाल साहित्य की उनकी पचास से अधिक पुस्तकें अब तक प्रकाशित हो चुकी हैं। 'नाचू के रंग' नया उपन्यास अब पाठकों के हाथों में है।

उपन्यास के नायक बालक नाचू के माध्यम से लेखक ने बच्चों को ही नहीं बल्कि बड़ों को भी सामाजिक सरोकारों के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करने का संदेश दिया है। बालक नाचू जो चित्रकार है अपनी ब्रुश और रंग के जरिये ही स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता फैलाता है। इस उपन्यास में लेखक ने मनोरंजन के साथ-साथ सीख भी दी है। नाचू जो अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस रखता है और साथ ही दूसरों की मदद भी करता है।

उपन्यास में नाचू का पेंटिंग का शौक किस तरह से चोर और डाकुओं को पकड़वाने में मदद करता है यह समाज के प्रति उसके दायित्व का दिखाता है। एक बार वह विज्ञापन के कटाउट पर चौकीदार का चित्र बना देता है और उससे डरकर चोर को पकड़ लिया जाता है। नाचू जब अपने साथियों के साथ जंगल में डाकुओं को देखते हैं और उन्हें डाकुओं द्वारा छिपाया हुआ खजाना मिल जाता है तो नाचू किस तरह से सूझबूझ का परिचय देते हुए बक्से का रंग बदलकर खजाने को गांव में लाकर पुलिस के हवाले करते हैं तो यह इस बात का संदेश देती है कि इंसान को विपरीत परिस्थितयों में भी धैर्य का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। नाचू के रंग ब्रुश की सफलता इस बात में कही जा सकती है कि उसने सफाई का संदेश देते चित्र बनाकर सवाल उठाया तो डंपिंग स्टेशन बनी जगह पर लोगों ने कूड़ा डालना बंद कर दिया। इसके साथ ही नाचू के रंग के बाल नायक के माध्यम से लेखक ने पौधरोपण का भी सफल संदेश दिया है।

बाल उपन्यास समाज की सभी छोटी बड़ी समस्याओं को उजागर करता हुआ और उनके समाधान प्रस्तुत करता नजर आता है और वह भी पूरे मनोरंजक तरीके से। उपन्यास इतना रोचक है कि पाठक एक बार में ही पूरा पढ़ जाता है।

लेखक गोविंद शर्मा के उपन्यास की भाषा सहज और सरल है। शीर्षक को साकार करते उपन्यास का कवर भी सुंदर बन पड़ा है। कुल मिलाकर नाचू के रंग उपन्यास सामाजिक सरोकारों के रंगों से सराबोर है। लेखक इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

मां भवानी के जयकारों से गूंजी छोटी काशी

भिवानी। मां भगवती भोजन सेवा समिति एवं श्रीराधा रानी कृपा परिवार से शिवनगर स्थित लिबर्टी होम के सामने लक्ष्मी नारायण मंदिर में द्वितीय मां भगवती का विशाल जागरण एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। रविवार सुबह एक निशान मां भवानी के नाम से तृतीय निशान यात्रा निकाली। निशान यात्रा में आस्था का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ा।

अनिल प्रधान व विजय लक्ष्मी देवराला उपप्रधान

भिवानी। सुरेंद्र सिंह मेमोरियल पार्क में शिक्षा विभाग के पार्ट टाइम सफाई कर्मचारी एसोसिएशन की बैठक आयोजित हुई। सरकार से रेगुलर कर्मचारी नियुक्त करने बारे विचार विमर्श किया गया। राज्य प्रधान तेजाराम की अध्यक्षता में जिला कार्यकारिणी बनाई, जिसमें सर्वसम्मति से अनिल कुमार को जिला प्रधान, विजय लक्ष्मी देवराला को उपप्रधान चुना गया।

सिंघानी के स्कूल में मूर्ति का अनावरण

ढिगावा मंडी। गांव सिंघानी में स्थित आइडियल इंटरनेशनल स्कूल में स्वर्गीय रमेश कुमार श्योराण कानूनगो की प्रथम पुण्यतिथि पर आइडियल परिवार की ओर से मूर्ति का अनावरण शनिवार को स्कूल परिसर में किया गया। रमेश श्योराण लोहारू कोर्ट में पहले पटवारी और उसके बाद कानूनगो के पद पर लंबे समय तक रहे। इसी दौरान 7 जून 2024 को उनका देहांत हो गया था। शनिवार को उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर मूर्ति का अनावरण मुख्य अतिथि एसडीएम लोहारू मनोज दलाल, विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक धर्मपाल ओबरा, प्रकाश दमकोरा, डॉ. अनिल सांगवान, डायरेक्टर अशोक कुमार सांगवान, प्रदुमन श्योराण, रामनिवास श्योराण, नरेंद्र श्योराण ने किया।

रक्तदान से बीमारियों से होता बचावः डूडेजा

भिवानी। इलाज की सुविधा होने के बाद भी कई बार लोगों के जीवन की डोर सिर्फ इसलिए टूट जाती है कि उन्हें समय पर खून नहीं मिलता। आज भी लोग गलत धारणाओं के कारण रक्तदान करने में हिचकते हैं, जबकि रक्तदान करने से रक्तदाता को कई गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। ये बात शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने कही। रविवार को निजी हॉस्पिटल में दाखिल मरीज के लिए रेयर ब्लड ग्रुप ऐ नेगेटिव फ्रेश रक्त की जरुरत पड़ने पर परिवार को दो दिन से कही भी ब्लड न मिलने पर रक्तदाता राजेश डुडेजा से संपर्क किया। उन्होंने तुरंत महाराजा निमपाल महाविद्यालय में कार्यरत प्रोफेसर आनन्द कुमार को सूचना दी, जिनका ब्लड ग्रुप ऐ नेगेटिव था, वे तुरन्त प्रभाव से रक्तकोष पहुंचे और बिना देरी किए निःस्वार्थ भाव से रक्तदान किया।

ध्यान साधना शिविर का किया आयोजन

भिवानी। कहरोड़ पक्का महासभा द्वारा केपीएम चैरिटेबल अस्पताल के ऊपरी मंजिल पर स्थित वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केंद्र प्रांगण में स्वामी अनिल कटारिया के सान्निध्य में ध्यान साधना शिविर का आयोजन किया। स्वामी कटारिया ने कहा कि आंतमिक सुख व्यक्ति के स्वयं के अंदर विद्यमान है, जिसे केवल ध्यान साधना के द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।

भाजपा कार्यकर्ता ने चलाया सफाई अभियान

बहल। भाजपा सरकार के 11 साल संकल्प से सिद्धी तक अभियान के तहत स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंदिरों में स्वच्छता श्रमदान अभियान चलाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर मंदिर परिसरों की सफाई की। उन्होंने कहा कि मंदिर हमारे पूज्यनीय स्थल है जहां आकर हमें आत्मिक शांति का भाव होता है। रविवार को भाजपा के मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल सिवानी के सदस्य सुनील शर्मा, मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल लोहारू के सदस्य रामवतार बंसल, पवन शर्मा सुरपुरा, हनुमान शर्मा पाजू, जमोत्री पुजारी, तूफान सिंह ने सफाई सहयोग किया।

हुडा कॉलोनीवासी परेशान, गलत निर्णय लेने पर पछतावा

हुडा कॉलोनी का बुरा हाल, कोई कर नहीं रहा संभाल, उगी घास व झाड़ियां

हुडा की तरफ से दी जानी वाली सुविधाओं के नाम पर कुछ नहीं मिला।

दीपक कुमार डुमड़ा ⏭ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। हुडा कॉलोनी में उगी घास व झाड़ियां। फोटोः हरिभूमि

कस्बे की हुडा कॉलोनी में पीने के पानी की समस्या से लेकर बिजली, सीवरेज, सफाई, सड़क, पार्कों आदि की व्यवस्था का जनाजा निकला हुआ है। लोग इस कॉलोनी में अपना आशियाना बनाकर अपने आपको कोस रहे हैं और उनका कहना है कि किसी गांव में ये पैसा लगाया होता तो बेहतर था, लेकिन हुडा कॉलोनी में कोई सुविधाएं नहीं हैं। कॉलोनीवासी अपने निर्णय पर पछतावा कर रहे हैं कि किस घड़ी में हमने निर्णय लिया, जो जी का जंजाल बन गया हैं। उल्लेखनीय हैं कि काफी समय पहले हुडा कॉलोनी काटी गई थी। कस्बावासियों ने बड़े शहरों की आबोहवा को देखते हुए एक दूसरे से आगे बढ़कर हुडा कॉलोनी में प्लॉट खरीदने की हौड लगी। धीरे धीरे करके प्लॉटों में मकान बनने शुरू हो गए, लेकिन हुडा की तरफ से दी जानी वाली सुविधाओं के नाम पर कुछ नहीं मिला। हुडा कॉलोनी में पेयजल, बिजली, सीवरेज, सफाई, सड़क व पार्कों की कोई व्यवस्था नहीं हैं। मकानों के चारों तरफ बड़ी बड़ी घास व झाड़ियां उगी हुई हैं, जिनमें शरारती तत्व बैठे रहते हैं और चोरी जैसी वारदातों को अंजाम देते हैं। इसके अलावा घास व झाड़ियों की वजह से सांप, नेवले सहित अनेक जीव जनावरों का भय बना हुआ हैं, लेकिन हुडा प्रशासन कॉलोनी की सुध नहीं ले रहा।

सहज पके सो मीठा होएः राकेश

हलका विधायक कपूर वाल्मीकि के छोटे भाई राकेश वाल्मीकि ने बताया कि सहज पके सो मीठा होए वाली कहावत है। अब शहर की जनता के सब्र का इंतिहान समाप्त हो चुका है। चप्पे-चप्पे की कमियों पर फोकस किया जा रहा है। सभी समस्याओं का समाधान होगा। लोग स्वयं कहेगें की फलां चीज देखनी है तो बवानी खेड़ा आइए। जल्द सभी समस्याओं को दुरूस्त किया जाएगा।

गलत जगह लगाई कमाई

हुडा कॉलोनीवासी ललित जैन की मानें तो इंसान सोचता है कि उसका रैन बसेरा ऐसे स्थान पर हो जहां सभी सुविधाएं हो, उन्होंने ऐसा ही सोचकर हुडा कॉलोनी में आशियाना बनाया, था लेकिन यहां पर सुविधाएं न के बराबर हैं। उन्होंने अपने जीवनभर की पूंजी यहां लगाकर गलत निर्णय ले लिया।

सुविधाओं के नाम पर टोटा

हुडा कॉलोनीवासी डॉ. राजेश ठकराल की मानें तो कॉलोनी में सीवरेज की निकासी के लिए इंतजाम नहीं और सड़के बिखरी हुई हैं, जो लोगों को चोटिल कर रही हैं। पार्क में पौधें घास होना तो दूर की बात है। चौकीदार न होने के कारण आठ बजते ही वे घरों में कैद हो जाते हैं। सुविधाओं के नाम पर टोटा है।

बंदरों का आतंक : हनुमान

हनुमान पाराशर की मानें तो वैसे तो पूरे शहर में आवारा-बेसहारा पशुओं, बंदरों का आतंक है लेकिन हुडा कॉलोनी में कांग्रेस घास से अपने पांव जमाए हुए, जिससे इंसान इसके छूने से मरीज हो सकता है वहीं पशु के खाने से और इनके दूध का सेवन करने से नुकसान हो सकता है।

चमकाने का किया जाएगा कामः अत्री

नपा चेयरमैन सुंदर अत्री ने बताया कि शहर के विकास को लेकर पार्षदों की बीते दिनों बैठक भी हुई। पूरी रणनीति के तहत शहर को चमकाने का काम किया जाएगा। किसी भी वार्ड में कोई भेदभाव नही किया जाएगा। -सुंदर अत्री

सूरज कॉलेज बीसीए की छात्रा रिया शर्मा ने विश्वविद्यालय में पाया तीसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

रिया शर्मा

मनीषा

इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर रेवाड़ी द्वारा फाइनल सेमेस्टर के परिणाम में सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। कॉलेज निदेशक संदीप प्रसाद ने भी परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यार्थियों अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि बीसीए फाइनल सेमेस्टर की छात्रा रिया शर्मा पुत्री नरेंद्र कुमार ने 81.60 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त करते हुए कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। छात्र आशीष पुत्र कुलदीप सिंह ने 74.00 प्रतिशत अंक लेकर कॉलेज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। छात्र विवेक कुमार पुत्र दिनेश कुमार ने 68.60 प्रतिशत, हर्ष पुत्र नरेश ने 68.00 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वहीं बीएससी आनर्स फिजिक्स फाइनल सेमेस्टर की छात्रा मनीषा यादव पुत्री सुरेंद्र सिंह ने 88.00 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में नौवां स्थान प्राप्त करते हुए कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में छात्रा अंशु पुत्री सत्यवान ने 80.22 प्रतिशत अंक लेकर कॉलेज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कॉलेज प्राचार्य डा. सुधाकर गुप्ता ने बताया कि कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है।

दादा मांगेराम के सांग उत्तानपात का सोमनाथ त्यागी ने किया मंचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन के स्थापना दिवस एवं महान सांगी पंडित जयनारायण शर्मा की याद में 11 दिवसीय सांग महोत्सव के द्वितीय दिवस रविवार को गांव उमरावत स्थित दादा लखमीचंद सांस्कृतिक भवन में जारी रहा। कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि भाजपा अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक पहुंचे तथा अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक ने की।

रविवार को कवि शिरोमणी दादा मांगेराम द्वारा रचित सांग उत्तानपात का सोमनाथ त्यागी ने मंचन किया। ढोलक और नगाड़ों की आवाज कानों में पड़ी, पूरा माहौल एक ऐतिहासिक व संस्कृति की जीवंत झांकी में बदल गया। दादा मांगेराम की सांस्कृतिक एवं भावनात्मक अभिव्यक्ति ने बुजुर्गों एवं युवाओं को प्रेरणा से भर दिया। कौशिक ने कहा कि हमारी लोक संस्कृति में इतिहास एवं संस्कृति की कहानियां आज भी जिंदा हैं, बस उन्हें मंच देकर अगली पीढ़ी तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है।

शिक्षण संस्थानों में शिक्षक नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाढ़ड़ा

शिक्षा प्रेरक संघ प्रदेशाध्यक्ष मास्टर विनोद मांढी।

- मजबूरन अपने बच्चों को दूसरे शहरों में भेजना पड़ रहा है

कहने को बाढ़ड़ा विधानसभा में तीन सरकारी कॉलेज संचालित हैं, लेकिन शिक्षकों की कमी चलते विद्यार्थियों का रुझान ही नहीं बन पा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के अभिभावकों को कम आमदनी के बावजूद मजबूरन बच्चों को दूसरे शहरों में भेजना पड़ रहा है, जिस पर सरकार को तत्काल प्रभाव से समस्या का समाधान करना चाहिए, ये बात शिक्षा प्रेरक संघ प्रदेशाध्यक्ष मास्टर विनोद मांढी ने ग्रामीण जनसंपर्क अभियान के दौरे के बाद कही।

उन्होंने कहा कि मांढी हरिया, कादमा और बाढड़ा में तीन महाविद्यालय होने के बावजूद विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए बड़े शहरों की ओर रुख कर रहे हैं जिसका सबसे बड़ा कारण शिक्षकों के पद खाली होना है। भले ही हम विश्वगुरु बनने की बात करते हो लेकिन आज शिक्षा संस्थानों की भूमिका की चर्चा करने को कोई भी तैयार नहीं है। वर्तमान समय में प्राथमिक विद्यालय से लेकर विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के पद से लेकर कुलपति के पद तक खाली हैं। ऐसे में देश का चहुमुखी विकाश कैसे संभव होगा। स्कूली शिक्षा से लेकर विश्वविद्यालयों में नया सत्र शुरू हो चुका है। बिना शिक्षकों के शैक्षणिक और प्रशासनिक, दोनों कार्य बाधित होने लाजमी हैं। पुस्तकालयों एवं प्रयोगशालाओं जैसी सुविधाओं के अभाव से जूझते विश्वविद्यालयों की एक और बड़ी समस्या शिक्षकों की कमी भी बन चुकी है। शिक्षकों के रिक्त पद भरने के मामले में यह नहीं कहा जा सकता कि योग्य शिक्षक नहीं हैं। मास्टर विनोद का मानना है कि भले ही देश में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हो चुकी हो ,परंतु अतिरिक्त धन आवंटन के बिना पूरे देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों को लागू करना कठिन है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और स्किल इंडिया जैसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रम तभी सफल होंगे।

कार्तिक इलेवन ने शिवम इलेवन को हराया

- परी इलेवन ने अंकित इलेवन को 4 रन से हराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। बाल भवन क्रिकेट ग्राउंड में खेलते खिलाड़ी। फोटोः हरिभूमि

बाल भवन क्रिकेट ग्राउंड में जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा अंडर 12 आयुवर्ग में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया। क्रिकेट प्रतियोगिता में शिवम इलेवन के कप्तान शिवम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करेन का निर्णय लिया। शिवम इलेवन ने निर्धारित 20 ओवर में 115 रन बनाए, शिवम इलेवन की तरफ से हीरेन ने 15 रन, रितशीक ने 14 रन, रोहित ने 12, अंश बूरा ने 10 रन बनाए। कार्तिक इलेवन की तरफ से दक्ष ने 4 ओवर में 18 रन देकर दो विकेट, सोमय ने 4 ऑवर में 15 रन देकर दो विकेट, लक्ष्य व आरव वीर ने एक-एक विकेट ली। कार्तिक इलेवन ने 19.3 ऑवर में 117 रन बनाकर मैच जीत लिया। कार्तिक इलेवल की तरफ से अशंसिंह ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 68 गेदों में 79 रन बनाए, कार्तिक महता ने 14 रन बनाए। शिवम इलेवन की तरफ से देश विश्वकर्मा ने एक विकेट तथा शिवम ने एक, वीर ने एक विकेट ली। अंशसिंह को मैन ऑफ दा मैच घोषित किया गया। दूसरे मैच में जोकि परी इलेवन व अंकित इलेवन में खेला गया यह अंडर 15 आयु वर्ग में खेला गया।

अंश ने 2 विकेट लिए

परी इलेवन ने अंकित इलेवन को रोमांचक मैच में 4 रन से हराया। इस मैच में परी इलेवन की कप्तान परी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की । परी इलेवन ने 25 ओवर में 3 विकेट पर 144 रन बनाए। इसमें परी ने 71 गेंद में 56 रन व मानवी ने 30 रन, हार्दिक ने 10 रन व दक्ष ने 12 रन बनाए तथा वागिश ने 10 रन बनाए। अंकित इलेवल की तरफ से अंश महता ने 2 ऑवर में 17 रन देकर 2 विकेट ली। अश्विन ने एक विकेट ली। अंकित इलेवन ने 25 ऑवर में 140 रन बनाए। अक्षुत ने 25 रन, अंश महता ने 49 रन, अभय मलिक ने 13 रन, अंकित ने 18 रन बनाए, अभय मलिक ने 13 रन, अंकित ने 18 रन बनाए। परी इलेवन की तरफ से हार्दिक ने 5 ऑवर में 18 रन देकर दो विकेट, मानवी ने 4 विकेट व दक्ष वशिष्ठ ने 4 ऑवर में 30 रन लेकर तीन विकेट ली।

मुख्यमंत्री सैनी को मांगपत्र सौंपा

- संत शिरोमणी नामदेव सभा प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री सैनी से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को शॉल व स्मृति चिन्ह प्रदान करते संत शिरोमणी नामदेव सभा के प्रधान डॉ. रामनिवास व सदस्य। फोटोः हरिभूमि

संत श्रीनामदेव सभा के प्रतिनिधिमंडल ने बवानीखेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि के नेतृत्व में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से चंडीगढ़ में संत कबीर कुटीर में मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री सैनी को शॉल ओढ़ाकर और संत शिरोमणि नामदेव का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

सभा की ओर से मुख्यमंत्री को मांगपत्र भी सौंपा गया, जिसमें समाज के कल्याण और विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों को उठाया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रतिनिधि मंडल की बातों को बड़े ध्यान से सुना और सभा द्वारा रखे सभी कार्यो को पूरा करने का आश्वासन दिया। उन्होंने संत शिरोमणी नामदेव सभा के सामाजिक कार्यों की सराहना की और समाज के उत्थान के लिए सरकार के पूर्ण सहयोग का वादा किया। सभा के प्रधान डॉ. रामनिवास रोहिल्ला ने बताया कि सभा के प्रतिनिधिमंडल की मुख्यमंत्री से मुलाकात अत्यंत सकारात्मक रही और मुख्यमंत्री सैनी ने सभा की ओर से समाज हित में रखी मांगों को पूरा करवाने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि नामदेव सभा भविष्य में भी समाज कल्याण के लिए कार्य करती रहेगी और सरकार से निरंतर सहयोग की अपेक्षा रखती है। यह मुलाकात संत नामदेव सभा और सरकार के बीच सकारात्मक संवाद का एक महत्वपूर्ण कदम के साथ साथ एक सामाजिक सेतु है । उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार समाज हित में निरंतर ऐतिहासिक निर्णय लेकर समाज का उत्थान की दिशा में कार्य कर रही है।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर सचिव ताराचंद रोहिल्ला, सागरमल पुनफेर, जयपाल रोहिल्ला, बजरंग रोहिल्ला, खेमचंद रोहिल्ला, वीरेंद्र वर्मा आदि उपस्थित रहे।

भिवानी की टीम ने जीती ट्रॉफी

- खेलों के माध्यम से जन-जन तक पहुंच सकता है सामाजिक संदेशः मामनचंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। विजेताओं को पुरस्कृत करते अतिथि मामनचंद प्रजापति व अन्य। फोटोः हरिभूमि

हरियाणा राज्य भारत स्काउट गाइड की शाखा चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप के जिला के कार्यालय एवं प्रशिक्षण केंद्र में रविवार को नॉन स्टॉप हरियाणा-स्वच्छ हरियाणा-नशा मुक्ति हरियाणा- शिक्षित हरियाण-विकसित हरियाणा की मुहिम के तहत कबड्डी मैच का आयोजन करवाया,जिसमें भिवानी व बापोड़ा की टीम के बीच मैच खेले गए।

प्रतियोगिता में बतौर मुख्यतिथि नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन मामनचंद ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर श्रीमहावीर जैन स्कूल की प्राचार्य व गाइड्स एवं रेंजर कैप्टन पुष्पा देवी पहुंची। प्रतियोगिता की अध्यक्षता ग्रुप लीडर सागर सज्जन सिंह ने की तथा मंच संचालन सह ग्रुप लीडर अमित कुमार ने किया। रेफरी के तौर पर सीनियर रोवर नितेश कुमार रहे तथा फर्स्ट एड के लिए नितिन व विनय मौजूद रहे। ग्रुप लीडर सागर सज्जन सिंह ने कहा कि भिवानी की टीम के कैप्टन विजय अहीरवाल व बापोड़ा टीम के कप्तान तरुण कुमार रहे। भिवानी व बापोड़ा की टीम के बीच खेले गए कबड्डी मुकाबले में दो मैच भिवानी ने जीते तथा एक मैच बापोड़ा की टीम ने जीता तथा जीत की ट्रॉफी भिवानी के नाम रही। भिवानी की टीम के बेस्ट रैड जोगेंद्र, पुनीत, धुरव अग्रवाल रहे तथा बापोड़ा के बेस्ट राईडर राही राहुल, तरूण व मयूर चुने गए, जिन्होंने मैच को बहुत ही रोमांचक रूप दे दिया। इस दौरान उपस्थित धुरव अग्रवाल, पुनीत, जोगिंद्र, पार्थ अग्रवाल, निखिल आदि मौजूद रहे।

लोगों को साइबर अपराध के प्रति किया जागरूक

- बढ़ते इंटरनेट के दौर में साइबर अपराध से बचने का जागरूकता ही एकमात्र उपाय: कमल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

जैसे-जैसे तकनीक बढ़ रही है, वैसे-वैसे तकनीक के दुष्प्रभाव भी सामने आ रहे है। वहीं बढ़ते मोबाइल व इंटरनेट के दौर में साइबर अपराध भी लगातार अपने पैर पसार रहा है, जिससे बचने के लिए जागरूकता ही एकमात्र उपाय है।

लोगों को साइबर अपराध से बचने की जानकारी देने के उद्देश्य से भारत विकास परिषद की शहीद मदनलाल ढ़ींगड़ा शाखा द्वारा राज्य पुलिस के साइबर अपराध सैल के अधिकारियों के साथ मिलकर रविवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर पार्क में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। साइबर अपराध सैल से विष्णु सिंह तथा उनकी टीम ने लोगों को इंटरनेट के बढ़ते प्रचलन के बीच अब फिशिंग, पहचान की चोरी, मालवेयर अटैक, एटीएम धोखा, साइबर हैरेसमेंट, पोनोग्राफी, धोखाधड़ी, पासरेसी जैसे विभिन्न साइबर अपराध बढ़ रहे है।

धर्म तभी सार्थक होता है, जब वह प्रकृति एवं समाज के कल्याण से जुड़ा होः धर्माणी

श्रद्धालुओं ने जल और पर्यावरण संरक्षण की ली शपथ

- जल एवं पर्यावरण प्रदूषण एवं नशे का बढ़ता प्रचलन विकट समस्याः चरणदास

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। जल एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते श्रद्धालु। फोटोः हरिभूमि

युवा जागृति एवं एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट द्वारा हनुमान जोहड़ी मंदिर में महंत चरणदास महाराज के सान्निध्य में करवाई जा रही संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का समापन हो गया। पुजारी ध्यानदास महाराज एवं रमेश सैनी ने बताया कि कथा के समापन पर कथाव्यास श्रीपालदास महाराज ने अश्वमेघ कथा का वर्णन किया। वहीं मुख्यतिथि चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी ने उपस्थित सभी को जल एवं पर्यावरण संरक्षण तथा नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। कथा के दौरान श्रद्धालुओं की अपार भीड़, भक्तिमय वातावरण और संगीतमय प्रवचनों ने पूरे क्षेत्र को अध्यात्म और भक्ति की सरिता में डुबो दिया। कथाव्यास श्रीपालदास ने श्रीकृष्ण लीला, भक्ति मार्ग, और धर्म के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अंत में अश्वमेघ यज्ञ की कथा सुनाई, जिसे श्रोताओं ने भावविभोर होकर सुना। उन्होंने बताया कि अश्वमेघ यज्ञ न केवल धर्म की विजय का प्रतीक है, बल्कि आत्मज्ञान और लोककल्याण की भावना का द्योतक भी है। प्रोफेसर धर्माणी व महंत चरणदास ने कहा कि धर्म तभी सार्थक होता है जब वह प्रकृति और समाज के कल्याण से जुड़ा हो।

युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत करवाएं

उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज को एकता, सद्भाव और प्रकृति के प्रति जागरूकता का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि जल एवं पर्यावरण प्रदूषण एवं नशे का बढ़ता प्रचलन विकट समस्या बनता जा रहा है, जिसके समाधान के लिए मजबूती से सकारात्मक कदम उठाने होंगे, नहीं तो हमारे बच्चें इसके और भी भयंकर दुष्परिणाम भुगतेंगे। इसके साथ ही युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों से भी अवगत करवाएं, ताकि वे नशे की गर्त में फंसकर अपना भविष्य बर्बाद न करें। इस अवसर पर पर्यावरण प्रहरी विजय सिंहमार, भाजपा नेता संजय शर्मा, अधिवक्ता धीरज सोनी, साकेत राजपूत, मोनू परमार, प्रवीण वत्स, कृष्ण भारद्वाज, अनिल कौशिक, मोहित सैनी, हरीश शांडिल्य आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

दुकानदारों ने पिलाया मीठा शरबत

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा में पिछले काफी दिनों से स्टालें लगाकर समाजसेवियों द्वारा राहगीरों को मीठा शरबत पिलाया जा रहा हैं। रविवार को वीके फोटो स्टेट के सामने स्थित हेमंत कंफेक्शनरी संचालक हेमंत महता, रमन टुटेजा, सुनील कुमार आदि ने मिलकर मीठा शरबत वितरित किया। हांसी-भिवानी मुख्य मार्ग पर वाहन चालकों ने मीठे प्रसाद को ग्रहण किया और कहा कि गर्मी के मौसम में दुकानदारों ने पुण्य का कार्य किया है। हालांकि दुकानदारों द्वारा हर वर्ष गर्मी में मीठा जल वितरित करने का कार्य किया जाता है।

पिता की प्रथम पुण्यतिथि पर लगाई दो सवामणी

ढिगावा मंडी। बाबा मड़िया गौशाला सिंघानी के प्रांगण में स्वर्गीय रमेश कानूनगो के परिवार के सदस्यों ने गायों के लिए दो सवामणी का आयोजन किया। इस अवसर पर स्वर्गीय रमेश कानूनगो के पुत्र नरेंद्र श्योराण व रविंद्र सिंघानी ने अपने पिता की पुण्यतिथि पर परिवार के सदस्यों के साथ गायों के लिए दो सवामणी लगाकर गायों को चाट खिलाई। गौ माता के रखरखाव के लिए नगद दान राशि भी गौशाला को दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अन्य धार्मिक कार्यों के साथ साथ गो सेवा के कार्यों में भी आगे रहना चाहिए।

छात्रों को करवाया नदी, पर्वत फल एवं सब्जियों का ज्ञान

बाढ़ड़ा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पिचौपा कलां में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के आदेश अनुसार ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान २ जून से लेकर ८ जून तक भारतीय भाषा उत्सव कैंप का सफल आयोजन किया गया। इसमें बच्चों के साथ महत्वपूर्ण जानकारी सांझा की। प्रवक्ता पवन सांगवान ने बताया कि विभाग द्वारा प्रदान किए गए कार्यक्रम के तहत रोजाना क्रियाएं करवाई गई।

ब्रह्मकुमारी के अनुयायियों ने किया योगासन

भिवानी। 21 जून को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर धार्मिक एक सामाजिक संस्थाओं ने भी योगाभ्यास शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में हुडा पार्क में ब्रह्मकुमारी आश्रम से अनुयायियों ने बीके बहन सुमित्रा के सानिध्य में योगासन एवं प्राणायाम किया। उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को भीम स्टेडियम में जिला स्तरीय योगासन एवं प्राणायाम कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

राजकीय विद्यालय में ग्रीष्मकालीन शिविर संपन्न

लोहारू। नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप मातृभाषा और बहु भाषावाद को प्रोत्साहित करने के लिए गिगनाऊ के स्वतंत्रता सेनानी चौधरी जगराम राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परिसर में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान आयोजित सात दिवसीय शिविर संपन्न हो गया। प्राचार्य राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि मातृभाषा की निपुणता हमें दूसरों विषयों का ज्ञान कराने में महज भूमिका निभाती है।

पुत्र ने दर्ज कराई पिता के गुमशुदगी की शिकायत

लोहारू। बारवास गांव का अशोक कुमार घर से नारनौल ड्यूटी पर जाने के लिए निकला था लेकिन वह ड्यूटी पर नहीं पहुंचा। अशोक के पुत्र यश ने स्थानीय पुलिस थाने में अपने पिता की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में बारवास के यश कुमार ने बताया कि उसके पिता अशोक कुमार नारनौल में जेल वार्डन के तौर पर तैनात हैं।

पंडित शर्मा ने अंग्रेज भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेकर 2200 दिन जेल काटी: कामरेड ओमप्रकाश

किसान सभा ने स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रमुख किसान नेता पंडित नेकिराम को किया याद

पंडित नेकीराम शर्मा की 70वीं पुण्यतिथि पर घंटाघर चौक स्थित उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। स्वतंत्रता सेनानी एवं हरियाणा केसरी पंडित नेकीराम शर्मा की प्रतिमा पर मार्लापण करते किसान सभा के पदाधिकारी व सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

अखिल भारतीय किसान सभा ने महान स्वतंत्रता सेनानी, हरियाणा केसरी एवं किसान सभा के पहले राज्य अध्यक्ष व प्रमुख किसान नेता पंडित नेकीराम शर्मा की 70वीं पुण्यतिथि पर घंटाघर चौक स्थित उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पंडितजी की याद में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता किसान सभा के जिला प्रधान रामफल देशवाल ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए किसान सभा के जिला उपप्रधान व सीपीआईएम जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश, व्यापार मंडल के राज्य उपप्रधान देवराज महता, भिवानी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार इंद्रमोहन ने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी व प्रमुख किसान पंडित नेकीराम शर्मा ने अपना पूरा जीवन देश की आजादी में लगा दिया और भिवानी का नाम देश के कोने कोने में उजागर किया। उन्होंने वर्ष 1920-21 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में संचालित असहयोग आंदोलन में 1930-31 में सविनय अवज्ञा आंदोलन तथा 1942 में अंग्रेज भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेकर 2200 दिन जेल काटी थी। उन्होंने कहा कि संयुक्त पंजाब व हिसार भिवानी में 9 जनवरी 1929 को अलखपुरा गांव में दूसरे स्वतंत्रता सेनानी व प्रमुख किसान नेता चौधरी लाजपत राय के साथ मिलकर किसान सभा की स्थापना की थी।

इसके साथ लोहारू नवाब रियासत व हांसी में स्कीनर जागीरदारों के विरुद्ध किसानों की लड़ाई लड़ते हुए हजारों किसान मुजारों को जमीन का मालिक बनाया था। उन्होंने समाज सुधार के अंतर्गत बाल विवाह, पर्दाप्रथा, बेगार, जातिवाद के विरोध व विधवा विवाह के पक्ष में जोरदार आंदोलन किए। उनके जनआंदोलन, इमानदारी कठिन परिश्रम, आदर्शो व प्रेरणा से युवा पीढ़ी को शिक्षा लेकर समाज को बेहतर बनाने के लिए नेतृत्व में आगे आना चाहिए, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर किसान सभा के नेता प्रतापसिंह, महाबीर फौजी, रिटायर्ड कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान मास्टर वजीर सिंह, महासचिव रतनकुमार जिंदल, जिला प्रधान नरेश शर्मा, सचिव राजबीर कादियान, जनवादी महिला समिति की जिला प्रधान बिमला घनघस, प्रमुख महिला नेत्री संतोष देशवाल, दलित अधिकार मंच के जिला संयोजक सुखदेव पालुवास, कामरेड रवि खन्ना, युवा कल्याण संगठन संरक्षक कमल सिंह प्रधान, पूर्व बैंक प्रबंधक चंद्रभान नाहलिया, ओमप्रकाश दलाल व मजदूर नेता अमीरसिंह आदि मौजूद रहे।

भिवानी। पंडित नेकीराम शर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते अतिथि व अन्य।

पंडित नेकीराम शर्मा के जीवन से युवा लें प्रेरणा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

कीर्ति नगर स्थित पंडित नेकीराम शर्मा पार्क में महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित नेकीराम शर्मा की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। श्रद्धांजलि सभा में मुख्यतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष विरेन्द्र कौशिक, मुख्य वक्ता सीबीएलयू कुलसचिव डॉ. भावना शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अश्विशर्मा, पूर्व विधायक डॉ. शिवशंकर भारद्वाज, नगर पार्षद प्रदीप कौशिक व अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने पंडित नेकिराम शर्मा को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके जीवन पर प्रकाश डाला। पूर्व बीडीपीओ राजकुमार शर्मा ने बताया कि श्रद्धांजलि सभा के दौरान स्वतंत्रता सेनानी पंडित नेकीराम शर्मा की याद में पौधरोपण किया। मुख्यतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष विरेन्द्र कौशिक ने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित नेकीराम शर्मा के जीवन से युवाओं को प्रेरणा लेकर देश सेवा में आगे आना चाहिए। उन्होंने निःस्वार्थ भाव से देश को आजाद करवाने के लिए अंग्रेजों के साथ कड़ा संघर्ष किया। मुख्यवक्ता डॉ. भावना शर्मा ने कहा कि पंडित नेकीराम शर्मा ने देश की आजादी के लिए 2200 दिन जेल में रहे तथा अंग्रेजों द्वारा दिए गए प्रलोभनों को ठोकर मार दी। कार्यक्रम में समाजसेवी श्यामसुंदर सनातनी, समाजसेवी सुशील अत्री, योगेश झरवाई, भुमी सोनी पुत्री अशोक कुमार बामला को सम्मानित किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर शकुंतला प्रधान, सोनिया अत्री, नमीता तंवर, बिमला परमार, सुनील शास्त्री, भीम श्योपरणा, राजेन्द्र धानक कालुवास, रामनिवाश श्योपरणा, रतीराम सैनी, धर्मबीर रंगा, सेवानिवृत बीओ राजेन्द्र, दलबीर रंगा, एडवोकेट घनश्याम शर्मा, सुभाष फौजी कायला, रिटायर्ड कानूनगो राजकुमार शर्मा धनाना आदि मौजूद रहे।

कविताओं से पंडित शर्मा को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। कवियों को सम्मानित करते पंडित नेकीराम के प्रपौत्र पराग शर्मा व अन्य।

महान स्वतंत्रता सेनानी हरियाणा केसरी पंडित नेकीराम शर्मा की 69वीं पुण्यतिथि पर निजी विश्राम गृह में कवि सम्मेलन का आयोजन किया। कवि सम्मेलन कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित नेकीराम शर्मा चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पार्पित कर श्रद्धांजली देकर किया। कवि सम्मेलन में उपस्थित कवियों ने अपनी रचनओं के माध्यम से महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित नेकीराम शर्मा के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला। कवि पवन कुमार सैनी ने मां के उपर अपनी रचना जिस आंचल में जीवन बैठा, वो आंचल मोड़ के चली गई। कवि डॉ. महेश सागर ने जन हित में तत्पर रहते जो सुबह और शाम थे, देश प्रेमी हरियाणा केसरी पंडित नेकीराम थे। डॉ. मनोज भारत ने दोहों के माध्यम से समा बांध दिया। धर्मवीर शर्मा मुशाफिर ने संकल्पों से उर्जित होकर आओ हम यह प्रण उठाएं मानवता का मरहम लेकर जन-गण-मन की पीर मिटाएं। विकास यश कीर्ति के गीत के बोल इस प्रकार रहे- बिगड़ने भी नहीं देता, संवरने भी नहीं देता, वो मुझको तोड़ता है पर बिखरने भी नहीं देता। प्रोफेसर श्याम वशिष्ठ ने भारत मां के सच्चे सपुत पंडित जी को शतकोटी नमन, थे आजादी के अगरदुत पंडित जी को शतकोटी नमन। डॉ. शिवकांत शर्मा ने हरियाणवी हास्य गजल से श्रोताओं को यु गुदगुदाया- बेटे से नू बोला बाबू, क्यों दुख पावै बाबा बन जा, रही नहीं इब शर्म किसी कै, क्यों शर्मावै बाबा बन जा। डॉ. पुरूषौतम पुष्प ने हम सबके थे प्यारे बाबा, सारे जग से न्यारै बाबा बाल कविता सुनाई।

पंडित नेकीराम शर्मा को दी श्रद्धांजलि

- स्वतंत्रता सेनानी एवं हरियाणा केसरी पंडित नेकीराम ने जीवनभर अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया: रीतिक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। स्वतंत्रता सेनानी एवं हरियाणा केसरी पंडित नेकीराम शर्मा को नमन करते रीतिक वधवा व अन्य। *फोटो: हरिभूमि*

स्वतंत्रता सेनानी एवं हरियाणा केसरी पंडित नेकीराम शर्मा ने जीवनभर अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने अंग्रेज डीसी के 25 मुरब्बे जमीन देने के प्रलोभन को न केवल ठुकराया, बल्कि ये भी कहा कि ये पूरा देश ही मेरा है, अंग्रेजों तुम मुझे क्या जमीन दोगे। आज पूरा देश इनको भावभीनी श्रद्धांजलि दे रहा है। पंडित नेकीराम शर्मा की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने पंडित नेकीराम शर्मा के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की हैं। भाजपा नेता रीतिक वधवा ने कहा की पंडित नेकीराम शर्मा दिसंबर 1905 में इंडियन नेशनल कांग्रेस के सालाना अधिवेशन बनारस के मौके पर देश के श्रेष्ठ नेताओं गोपाल कृष्ण गोखले, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, पंजाब केसरी लाला लाजपतराय, बाबू सुरेंद्र नाथ बैनर्जी व महामना पंडित मदन मोहन मालवीय से मिलने का मौका मिला तथा उनके भाषणों से प्रेरणा मिली। अंग्रेज सरकार द्वारा 1907 में भगतसिंह, सरदार अजीत सिंह, लाला लाजपतराय को मांडले जेल भेजना तथा 1908 में लोकमान्य तिलक पर अभियोग चलाना नेकीराम को सहन नहीं हुआ और वे अंग्रेजी सरकार के घोर विरोधी बन गए। जब लोकमान्य तिलक को छह वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई तो नेकीराम शर्मा ने एक दिन का उपवास रखा तथा प्रतिज्ञा ली कि जब तक अंग्रेजी राज समाप्त नहीं हो जाता, तब तक चैन से नहीं बैठेंगे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आह्वान पर 1921 में उन्हें असहयोग आंदोलन में गिरफ्तार किया।

2200 दिन रहे जेल

महात्मा गांधी से उनकी पहली मुलाकात 1915 में मुम्बई कांग्रेस के दौरान हुई। वे गांधी जी की प्रेरणा से अस्पृश्यता के विरुद्ध अभियान में शामिल हो गए। पंडित नेकीराम शर्मा रौलेट एक्ट विरोधी आंदोलन 1919, असहयोग आंदोलन 1920-22, नमक सत्याग्रह 1930-34, व्यक्तिगत सत्याग्रह 1940-41 एवं भारत छोड़ा आंदोलन 1942-44 में अग्रणी भूमिका में रहे और 2200 दिन जेल में रहे। इस अवसर पर भूपेंद्र तिगड़ी, धर्मेंद्र अरोड़ा, विजय अरोड़ा, पंकज शर्मा, मुकेश कुमार ने स्वतंत्रता सेनानी एवं हरियाणा केसरी पंडित नेकीराम शर्मा की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की है।

राधा स्वामी सत्संग दिनोद शाखा भिवानी के सेवादारों ने लगाई मीठे पानी की छबील

भिवानी। राधा स्वामी सत्संग दिनोद शाखा के सेवादारों में भिवानी राधा स्वामी आश्रम के आगे राहगीरों की मीठे पानी की छबीन लगाकर प्यास बुझाई। सेवादारों ने 16 ड्राम नींबू पानी के तैयार छोटे बड़े बूढ़े सभी सेवादारों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और गर्मी की परवाह किए बिना राहगीरों को भाग भाग कर पानी पिलाया। सेवादार संदीप पंघाल ने बताया कि यह छबील हजूर कवर साहब महाराज के आशीर्वाद से हर रविवार को लगाई जाएगी, जिसमें सभी सेवादार पर चढ़कर अपना सर्वदान करते हैं और राहगीरों की प्यास बुझाते हैं। कार्यक्रम में सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखते हुए स्टील के गिलास में पानी पिलाया गया। इस अवसर पर पवन शर्मा, रामपाल, जसवंत, मांगेराम, उदयवीर, अतर सिंह, चेतराम, संतलाल, ईश्वर सिंह, लक्ष्य शर्मा, राजीव सरपंच नाथवास, संजय सैनी, राजेश सोनी, अभिजीत पंघाल, रीस रोड, गर्व दहिया, पूर्ण आदि सेवादार उपस्थित थे।

विद्यार्थियों को सिखाएं योग के गुर

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। राजकीय वमा विद्यालय पालुवास में भारतीय भाषा समर कैंप को संबोधित करती कार्यक्रम नोडल अधिकारी दीपमाला। *फोटो: हरिभूमि*

गांव पालुवास स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में सात दिवसीय भारतीय भाषा समर कैंप का समापन सत्र आयोजित किया। सर्वप्रथम विद्यार्थियों ने योगाभ्यास किया, जिसमें योग शिक्षिका मनीषा ने विद्यार्थियों को योग के गुर सिखाएं। मोटिवेशन और समापन सत्र में सभी विद्यार्थियों द्वारा अपने सात दिन के भाषा कैंप के अनुभव को सभी के साथ सांझा किया तथा सभी विद्यार्थियों ने अपने फीडबैक लिखकर जमा करवाएं। छात्रा कशिश, वंशिका, संजू ने संस्कृत गीत की शानदार प्रस्तुति दी। अंग्रेजी प्रवक्ता विजेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को जीवन में खूब मेहनत करके सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम नोडल अधिकारी दीपमाला ने अपने स्वयं के जीवन के उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों से कहा कि यह सत्र आपके भाषा कैंप का समापन न होकर उज्ज्वल भविष्य और बहुत कुछ सृजनात्मक सीखने की शुरुआत होनी चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन के लिए शिक्षा विभाग, विद्यालय प्राचार्य सतीश कुमार, उपस्थित समस्त अध्यापकों मंजीत, ज्योति, संदीप वधवा, दीपक, बंसीलाल, नरेंद्र, बिजेंद्र एबीआरसी का भी विशेष धन्यवाद किया।

खरककलां कन्या स्कूल में समर कैंप संपन्न

भिवानी। राजकीय कन्या वमा स्कूल खरककलां में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान प्राचार्या डॉ. रीमा परमार की अध्यक्षता में चल रहे सात दिवसीय भारतीय भाषा समर कैंप का सफलता पूर्वक समापन हुआ। नोडल अधिकारी पूनम चौहान के नेतृत्व में लगाए मनोरंजक भाषा शिक्षण कैंप में शिक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार विद्यालय की छात्राओं को आकर्षक तरीके से भारतीय भाषाओं की सुंदरता और विधिता से परिचित करवाया। कैंप के दौरान बुनियादी अभिवादन रोल प्ले, फलैश कार्ड, प्रेरक नारों के अनुवाद ऑडिया विजुअल टूल के द्वारा वर्चुअल सिटी टूर व वास्तविक जीवन की बातचीत का अभ्यास किया। विभिन्न भाषाओं में देशभक्ति गीत गाने सीखे। स्थानीय कला से जुड़ने वाली गतिविधियों के साथ-साथ संगीत, नृत्य व पेंटिंग का अभ्यास किया। पारंपरिक व्यंजन बनाने सीखे। भारत के भौतिक मानचित्र में नदियों, पहाड़ों एवं एतिहासिक स्मारकों के बारे में जानकारी प्राप्त की। शिविर समापन समारोह में प्रश्नोत्तरी के माध्यम से छात्राओं की कैंप के दौरान की गयी गतिविधियों से प्राप्त जानकारी को जांचा गया।

डॉ. आर. पी. शर्मा अस्पताल
सिविल अस्पताल से रिटायर्ड सीनियर सर्जन
सभी आप्रेशन एवं नार्मल डिलीवरी सबसे सस्ते रेट में किए जाते हैं।
सभी आप्रेशन बिना टाँके के भी किए जाते हैं।
कॉपर-टी की सुविधा उपलब्ध है।
गर्भवती महिलाओं के लिए OPD फीस फ्री
पता : मिनी बाईपास रोड़, CR Resort के सामने, भिवानी
सम्पर्क सूत्र : 9416296903, 8168362612

विद्यार्थियों में भारतीय भाषाओं एवं साहित्य के प्रति गहरी समझ को बढ़ावा देना ही लक्ष्य

भारतीय भाषा उत्सव में छात्रा हिना ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। सात दिवसीय भारतीय भाषा उत्सव के विजेता बच्चों को सम्मानित करते विनोद पिंकू पीटीआई एवं स्टॉफ सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

गांव घुसकानी स्थित वीर शहीद कैप्टन ओपी दलाल राजकीय उच्च विद्यालय में शिक्षा विभाग के आदेशानुसार व मुख्याध्यापक कृष्ण कुमार के निर्देशन पर किया। कार्यक्रम में मुख्यतिथि की भूमिका इंग्लिश की अध्यापिका गुड्डी देवी ने निभाई। शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने बताया कि भारतीय भाषा उत्सव 2025 में लगातार सात दिन तक अलग-अलग गतिविधियों का आयोजन करवाया, जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। पहले दिन भारतीय भाषा उत्सव में बुनियादी अभिवादन, फ्लैश कार्ड, विभिन्न प्रेरक और देश भक्तिपूर्ण नारों का अनुवाद दूसरे दिन वर्चुयल सिटी दूर, वार्तालाप अभ्यास वास्तविक ,तीसरे दिन कला, नृत्य, संगीत, चित्रकला चौथे दिन स्थानीय, मसलों, सब्जियों, फलों से होने वाले लाभों के बारे पांचवें दिन संस्कृति की सराहना की।

विजेता बच्चों को किया सम्मानित

सुनने के कौशल का विकास, सशस्त्र बलों ,स्वतंत्रता सेनानियों, कलाकारों, प्रतिष्ठ लोगों आदि के स्थानीय नायकों के बारे में जागरूकता, छठे दिन नदियों, पहाड़ों, ऐतिहासिक स्मारकों के नाम जानकार इतिहास, भूगोल का ज्ञान आज सातवें दिन प्रेरणा और समापन समारोह पर बच्चों के प्रदर्शन एवं प्रश्नोत्तरी के आधार पर विजेता बच्चों को स्मृति चिह्न, फूल मालाओं के साथ सम्मानित किया। सात दिवसीय भारतीय भाषा उत्सव का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय भाषाओं और साहित्य के प्रति गहरी समझ को बढ़ावा देना, हमारी संस्कृति की पहचान को बनाए रखना नागरिकों के बीच एकता को बढ़ावा देना, छात्रों के बीच भारतीय भाषाओं और साहित्य के लिए गहन प्रशंसा को बढ़ावा देना, भारतीय भाषा उत्सव के रूप में मनाया। वीर शहीद कैप्टन ओपी दलाल राजकीय उच्च विद्यालय घुसकानी में भी विद्यार्थियों को विविध भाषाओं के प्रति ज्ञान व रुचि जागृत करने के लिए सात दिवसीय 2 जून से 8 जून 28 घंटे का कार्यक्रम भारतीय भाषा उत्सव बड़े ही लग्न, चाव के साथ मनाया। शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने कहा कि हर बच्चा अपने आप में कोई विशेष योग्यता रखता है, अपनी उस योग्यता को उच्चतम स्तर तक ले जाने के लिए जी तोड़ मेहनत करना हर विद्यार्थी का कर्तव्य बनता है।